no knowledge whether 400 Laparoscopes donated by U.S. aid for International Development are lying, idle at New York. However this Department in a collaborative arrangement with Johns Hopkins Programme. For International Education in Gynaecology and Obstetrics (J.H.P.I.E.G.O) has been conducting a training programme in laparoscopic techniques for teams from Medical Colleges at three centres in the country located at New Delhi, Baroda and Bombay. The arrangement envisaged supply of laparoscopic equipment to the trainees after completion of the training. For this purpose J.H.P.I.E.G.O. supplied 50 sets of laparoscopic equipment. So far 32 teams have been trained, 28 sets of equipment have been distributed to the various centres so far. The training programme and distribution of equipment to the trainees is continuing.

(b) Question does not arise

(c) Laparoscopic Sterilisation has been in vogue for nearly a decade both in the West and in some of the developing countries, including India. Because of developments in instrument technology, better maintenance facilities and availability of spare parts in the Western countries, this techniques of female sterilisation is used to a greater extent but not to the exclusion of other techniques such as "Minilaporatomy." This latter techniques is an equally safe, simple and quick method of female sterilisation, widely used by medical professionals in India and requiring the use of locally made surgical instruments

(d) Yes.

(e) So far no complications or untoward reports have been received.

बूचड़खानों द्वारा बालकराम हस्पताल के पास कचर का फका जाना

9449. **श्री निहाल सिंह** : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली के तिमारपुर क्षेत्र में लगभग 30 हजार सरकारी क्वार्टर तथा निजी मकान हैं और बूचड़खानों का कचरा बालकराम अस्पताल के पास फेंका जाता है, जिसके फलस्वरूप हजारों गिद्ध तथा चीलें इसपर मंडराती रहती हैं और मांस के टुकड़े घरों में डाल जाती हैं, जिससे हर समय गन्दी बदबू आती रहती है ; और

(ख) इस क्षेत्र के लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा करने तथा वहां पर मांस के कचरे के फेंके जाने को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री नीहार रंजन लस्कर) : (क) तिमारपुर क्षेत्र में अनेक सरकारी क्वार्टर तथा निजी मकान हैं । बालक राम अस्पताल के आस-पास गहरे गड्ढे हैं जो पत्थरों के निकाले जाने के फलस्वरूप बन गए थे । इन गड्ढों में मच्छर पैदा हो जाते हैं । इस स्थान पर तिमारपुर सहित उत्तरी दिल्ली क्षेत्र का मलबा और बूचड़खाने का कचरा फेंका जाता है । यहां इस मलबे का निपटान कंट्रोल टिपिंग सेनिटरी लैंड फिल तरीके से किया जाता है । इस तरीके के अन्तर्गत कचरे को मलबे (बिल्डिंग रब्बिश) से ढक दिया जाता है और अन्त में इस पर गीली मिट्टी डाल दी जाती है । यह सही है कि कूड़ा कचरा फैंकने का यह स्थान गिद्धों और चीलों को आकृष्ट करता है ।

(ख) इस इलाके की पर्यावरणिक दशा में सुधार लाने के लिए दिल्ली नगर निगम ने यथेष्ट प्रबन्ध किए हैं । जिसके लिए उसने कीटनाशी दवाइयों का खुलकर उपयोग किया है और इस इलाके को एक हरा-भरा बनाने के लिए बागवानी कार्य शुरू किए हैं ताकि गड्ढों को कचरे से भरने संबंधी कार्यों के परिणामस्वरूप इस इलाके के निवासियों के स्वास्थ्य पर कोई बुरा असर न पड़े ।